

मूढ-स्थिति स्त्री. (तत्.) जब मन प्रमाद, आलस्य, निद्रा, अवसाद आदि के कारण ठीक से काम नहीं कर पाता।

मूढात्मा वि. (अर.) मूर्खों का सरताज, अव्वल दर्जे का बेवकूफ।

मूढावस्था स्त्री. (तत्.) योग चित्त की पाँच वृत्तियों में से एक, जड़ता, विस्मृति।

मूत पुं. (तद्.) दे. मूत्र।

मूतना अ.क्रि. (तद्.) पेशाब करना।

मूत्र पुं. (तत्.) आयु. हल्के पीले रंग का अम्लीय द्रव जो वृक्कों द्वारा शरीर के रक्त शोधन के फलस्वरूप निकलता है इसमें शरीर के लिए अवांछित तत्व यथा यूरिया आदि मिले रहते हैं।

मूत्र-कृच्छ्र पुं. (तत्.) आयु. एक प्रकार का रोग जिसमें मूत्र कुछ कष्ट के साथ थोड़ा-थोड़ा और रुक-रुक कर होता है।

मूत्र-क्षय पुं. (तत्.) मूत्राघात रोग का एक भेद जिसमें मूत्र का बनना कम हो जाता है।

मूत्र-ग्रंथि पुं. (तत्.) मूत्राघात रोग का एक भेद।

मूत्रदशक पुं. (तत्.) हाथी, मेढ़ा, ऊँट, गाय, बकरा, घोड़ा, भैंस, गधा, पुरुष और स्त्री इन दस के मूत्रों का समूह।

मूत्र-दोष पुं. (तत्.) पेशाब का कोई कष्ट या विकार, पेशाब की खराबी।

मूत्र-नली स्त्री. (तत्.) वह नलिका जिसके द्वारा मूत्र मूत्राशय से निकलकर जननेंद्रिय के ऊपरी स्थान तक पहुँचता है।

मूत्र-नाश पुं. (तत्.) मूत्र न बनने की स्थिति, मूत्राशय में मूत्र का अभाव होने की अवस्था।

मूत्र-पतन पुं. (तत्.) 1. मूत्र गिरने की स्थिति 2. गंध विलाव जिसका मूत्र प्रायः गिरता रहता है।

मूत्र-पथ पुं. (तत्.) मूत्र नली।

मूत्र-परीक्षा स्त्री. (तत्.) आयु. रोगी के मूत्र की वैज्ञानिक जाँच जिससे यह पता चलता है कि शरीर में किस प्रकार का विकार है।

मूत्र-फला स्त्री. (तत्.) ककड़ी, खीरा।

मूत्रमार्ग पुं. (तत्.) मूत्राशय से संलग्न वह नलिका जिसके माध्यम से मूत्र विसर्जनार्थ जननेंद्रिय के ऊपरी भाग तक पहुँचता है।

मूत्र-रोध पुं. (तत्.) वह शारीरिक अवस्था जिसमें किसी विकार स्वरूप पेशाब आना बंद हो जाता है, पेशाब बंद होने का रोग।

मूत्रल वि. (तत्.) अधिक मात्रा में और बार-बार मूत्र लाने वाली औषधि/पदार्थ, मूत्रवर्धक औषधि।

मूत्रला स्त्री. (तत्.) मूत्रल का स्त्रीलिंग, ककड़ी।

मूत्र वाहिनी स्त्री. (तत्.) जंतु-वृक्क के दो पार्श्वों से निकलने वाली मोटी भित्ति की नलिकाओं में से कोई भी एक जो वृक्क से मूत्र को मूत्राशय तक ले जाती है।

मूत्र-वृद्धि स्त्री. (तत्.) परिमाण में सामान्य से अधिक तथा अनेक बार पेशाब होना।

मूत्र-स्रोत पुं. (तत्.) दे. मूत्र मार्ग।

मूत्राघात पुं. (तत्.) एक प्रकार का शारीरिक विकार जिसमें कुछ समय के लिए पेशाब बनना बंद हो जाता है।

मूत्राम्ल पुं. (तत्.) रसा. सूक्ष्म मात्रा में मूत्र में पाया जाने वाला गंधहीन, रक्तहीन क्रिस्टलीय पदार्थ uric acid

मूत्राश्रय पुं. (तत्.) नाभि के नीचे की वह आंतरिक थैली जिसमें मूत्र एकत्रित होता रहता है, मसाना।

मूत्रित वि. (तत्.) 1. मूत्र के रूप में निकला हुआ अपशिष्ट 2. जो मूत्र के स्पर्श से दूषित हो गया हो।

मूर पुं. (तद्.) 1. मूल जड़ 2. जड़ी, बूटी 3. मूलधन, असल पूँजी 4. मूल नक्षत्र।

मूरख वि. (देश.) दे. मूर्ख।

मूरचा पुं. (देश.) मोरचा, जंग।

मूरछना अ.क्रि. (देश.) मूर्च्छित होना, अचेत होना, बेहोश होना।

मूरछा स्त्री. (तद्.) दे. मूर्च्छा।